

दिल्ली की वोटर लिस्ट में राघव चड्ढा का नाम, 'बैकडोर एंट्री' के आरोप से गरमाई सियासत



रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

भाजपा के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा का नाम दिल्ली की मतदाता सूची में जुड़ने के बाद आम आदमी पार्टी और चुनाव आयोग के बीच नया विवाद खड़ा हो गया है। चड्ढा पंजाब से राज्यसभा सांसद हैं और हाल ही में उनका नाम पंजाब की मसौदा मतदाता सूची में 'स्थानांतरित' के रूप में दर्ज हुआ था। इसके बाद दिल्ली की राजेंद्र नगर विधानसभा क्षेत्र की मतदाता सूची में उनका नाम शामिल किया गया। आम आदमी पार्टी ने इस पूरी प्रक्रिया पर सवाल उठाते हुए चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। दिल्ली के आप अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज का दावा है कि 31 अगस्त को जारी मसौदा सूची में संबंधित मतदान केंद्र पर 746 मतदाता थे, लेकिन बाद में चड्ढा का नाम 747वें मतदाता के रूप में दिखाई दिया।

पीएम मोदी की चार घंटे की 'क्लास' मंत्रियों से पूछा-विकसित भारत के लिए आपने क्या किया?



रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को केंद्रीय राज्य मंत्रियों और स्वतंत्र प्रभार वाले मंत्रियों के साथ लंबी समीक्षा बैठक कर सरकार के कामकाज और योजनाओं के जमीनी असर का हिसाब लिया। करीब चार घंटे चली बैठक में 20 मंत्रियों ने हिस्सा लिया। खास बात यह रही कि बैठक में नौकरशाहों को शामिल नहीं किया गया। प्रधानमंत्री ने सीधे मंत्रियों से योजनाओं की प्रगति और उनके क्रियान्वयन को लेकर जवाब मांगे।

बैठक में केवल योजनाओं की सूची या मंत्रालयों की उपलब्धियां बताने के बजाय इस बात पर जोर रहा कि मंत्री अपने विभाग के जरिए विकसित भारत के लक्ष्य में क्या ठोस योगदान दे रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मंत्रियों से परिणाम आधारित काम, नई पहल और योजनाओं को जमीन तक पहुंचाने पर ध्यान देने को कहा। बैठक को इसलिए भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि सरकार अब विकास के लक्ष्य को केवल घोषणाओं तक सीमित रखने के बजाय उसके क्रियान्वयन और परिणामों पर अधिक जोर दे रही है। प्रधानमंत्री की लगातार

हो रही समीक्षा बैठकों में अधिकारियों और मंत्रियों से दीर्घकालिक सोच के साथ काम करने की अपेक्षा जताई जा रही है।

इस बैठक का राजनीतिक संदेश भी साफ है—जिम्मेदारी केवल प्रधानमंत्री कार्यालय या नौकरशाही की नहीं, बल्कि हर मंत्री की है। विकसित भारत का लक्ष्य तभी आगे बढ़ेगा जब प्रत्येक मंत्रालय अपनी योजनाओं के वास्तविक परिणाम जनता के सामने रख सके। अब देखना होगा कि इस 'क्लास' के बाद मंत्रियों के कामकाज में कितना बदलाव दिखाई देता है।

ट्रंप के टैरिफ का कनाडा ने दिया जवाब, अमेरिकी सामान पर 50% तक शुल्क

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। अमेरिका और कनाडा के बीच व्यापारिक टकराव अब खुलकर टैरिफ युद्ध में बदलता दिखाई दे रहा है। कनाडा ने अमेरिका से आने वाले चुनिंदा सामान पर 15%, 25% और 50% तक जवाबी शुल्क लागू कर दिया है। यह कार्रवाई 8 सितंबर से प्रभावी हुई है और करीब 27.6 अरब कनाडाई डॉलर के अमेरिकी आयात को इसके दायरे में रखा गया है। कनाडा का यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस फैसले के जवाब में है, जिसके तहत अमेरिका ने करीब 27.6 अरब डॉलर के कनाडाई सामान पर 50% शुल्क लगाया था। कनाडा ने साफ संकेत दिया है कि वह अमेरिकी शुल्क का जवाब समान दर से देने की नीति पर आगे बढ़ेगा।



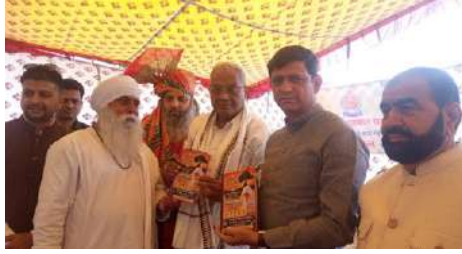
जवाबी शुल्क के निशाने पर इस्पात, दुग्ध उत्पाद, घरेलू उपकरण, कृषि उपकरण, कागज, प्लास्टिक और इलेक्ट्रॉनिक सामान जैसे क्षेत्र हैं। यानी असर केवल बड़ी कंपनियों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि दोनों देशों के उद्योग और उपभोक्ता भी इसकी कीमत चुका सकते हैं। उधर ट्रंप प्रशासन ने भी दबाव बढ़ाते हुए कुछ कनाडाई दुग्ध उत्पादों, शराब और मोटरसाइकिलों के आयात पर रोक लगाने की घोषणा की है, जो 29 सितंबर से लागू होगी। सबसे बड़ा सवाल अब यह है कि क्या टैरिफ की यह लड़ाई बातचीत की मेज तक पहुंचेगी या अमेरिका-कनाडा के दशकों पुराने कारोबारी रिश्ते और ज्यादा बिगड़ेंगे? दोनों देशों के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ने से उत्तर अमेरिकी आपूर्ति श्रृंखला और उपभोक्ता कीमतों पर भी दबाव बढ़ने की आशंका है।

खजराना के शासकीय उर्दू विद्यालय के जीर्णोद्धार का शुभारंभ

खुशबू श्रीवास्तव

1.50 करोड़ की लागत से होगा विकास कार्य, करीब 600 विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

इंदौर। खजराना क्षेत्र स्थित शासकीय उर्दू विद्यालय के जीर्णोद्धार एवं विकास कार्य का कार्यक्रम मंगलवार को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में पीठाधीश्वर एवं राष्ट्रीय संत एक तू ही जयगुरुदेव सदुरु स्वामी श्री अरुणानंद जी महाराज साहेब उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंदौर महापौर पुष्पमित्र भार्गव एवं विधायक महेंद्र हार्डिया रहे। कार्यक्रम का आयोजन पार्षद रूबीना इकबाल खान द्वारा किया गया। विद्यालय के जीर्णोद्धार एवं अन्य



आवश्यक निर्माण कार्यों पर लगभग 1.50 करोड़ रुपये की लागत आने की जानकारी दी गई। विकास कार्यों के अंतर्गत विद्यालय में अतिरिक्त कक्षाओं सहित अन्य सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। विद्यालय में वर्तमान में लगभग 600 विद्यार्थी अध्ययनरत हैं, जिनमें हिंदी भाषा से पढ़ने वाले बच्चे भी शामिल हैं।

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज और राष्ट्र की प्रगति का सबसे मजबूत आधार है। खजराना मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र होने के बावजूद विद्यालय में विभिन्न समुदायों के बच्चे शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। वक्ताओं ने कहा कि



विद्यालय में बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध होने से क्षेत्र के हिंदू-मुस्लिम सभी वर्गों के बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा और वे शिक्षा के माध्यम से अपने परिवार, समाज एवं देश का नाम रोशन कर सकेंगे। विशेष अतिथि संत स्वामी श्री अरुणानंद जी महाराज साहेब ने बच्चों को शिक्षा के महत्व का संदेश देते हुए कहा कि वर्तमान समय में बच्चों को अच्छी शिक्षा और सही संस्कार देना बेहद जरूरी है। शिक्षा बच्चों को गलत रास्ते पर जाने से बचाने के साथ ही उन्हें अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है। उन्होंने विद्यार्थियों से मन लगाकर पढ़ाई करने और

अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम में सूफी याहया बाबा, बालयोगी मौनी महंत श्री यशवर्धन महाराज साहेब, एक तू ही गुरुद्वार जयगुरुदेव की सचिव मां साध्वी श्री अनंता देवी सहित अन्य अतिथि मौजूद रहे। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सविता निखार जी का भी कार्यक्रम के आयोजन एवं विद्यालय के विकास में विशेष योगदान रहा। इस अवसर पर एक तू ही जयगुरुदेव की ओर से महापौर पुष्पमित्र भार्गव, विधायक महेंद्र हार्डिया, पूर्व पार्षद इकबाल खान एवं विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती सविता निखार को आशीर्वाद स्वरूप कलम-पेन एवं डायरी भेंट की गई। कार्यक्रम में उपस्थित सभी वक्ताओं ने बच्चों की शिक्षा को प्राथमिकता देने, विद्यालय में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और विद्यार्थियों को सकारात्मक दिशा देने पर जोर दिया। उपस्थित अतिथियों ने विद्यालय के विकास कार्यों को क्षेत्र के बच्चों के बेहतर भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

श्री धर्मराज बजरंग व्यायामशाला के नवनियुक्त उस्ताद बने ईश्वर पुरी गोस्वामी



40 लाख के विकास कार्य के साथ संपन्न हुआ शस्त्र पूजन श्री धर्मराज बजरंग व्यायाम शाला बदनावर

बदनावर। बाबा बैजनाथ की अंतिम शाही सवारी में श्री धर्मराज बजरंग व्यायाम शाला परिसर में शस्त्र पूजन कार्यक्रम लगभग 40 लाख रुपये की घोषणा के साथ संपन्न हुआ नवनियुक्त उस्ताद के रूप में ईश्वर पुरी गोस्वामी के नेतृत्व में व्यायाम शाला परिसर में शस्त्र पूजन सम्पन्न हुआ शस्त्र पूजन में बदनावर विधानसभा के विधायक भंवर सिंह शेखावत मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे श्री शेखावत ने हनुमान के मंदिर निर्माण को लेकर कहा की बजरंगबली का अगर मंदिर बन रहा है तो पैसों की कोई कमी नहीं जितना भी पैसा होगा हम लगाएंगे पूर्व में भी हमने लगभग 35 लाख रुपये की लागत से धर्मराज भगवान का मंदिर बनवाया और अब हनुमान मंदिर में लगभग 20 लाख रुपये की राशि की घोषणा के साथ शस्त्र

पूजन किया वहीं नगर परिषद अध्यक्ष मीना शेखर यादव प्रतिनिधि के रूप में मंदिर परिसर में टीन सेट ,पेवर्स और जिमिनेशन से संबंधित सामान के लिए लगभग 20 लाख रुपये की राशि की घोषणा की

साथ ही टीन सेट का कार्य लगभग एक माह में पूर्ण करने की घोषणा की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बदनावर विधायक भंवर सिंह शेखावत, पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी, नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि शेखर यादव, उस्ताद ईश्वर पुरी पहलवान, भरत पहलवान, परमानंद पहलवान, अशोक टांक पहलवान, अशोक सोलंकी पहलवान, पोपसिंह राठौर (पप्पी बना) पहलवान, प्रभाषकर पहलवान, चंदर पहलवान, गड्डू पहलवान, शिवम मुकाती पहलवान, राकेश पहलवान, आनंद पहलवान, राहुल पहलवान, हैप्पी

पहलवान, सतू पहलवान, कुलदीप सोलंकी पहलवान, विकास पहलवान, आयुष पहलवान, शुभम पहलवान, वीर पहलवान, आशीष पहलवान, रवि पहलवान, वैभव पहलवान, भोला पहलवान, दिव्यांश पहलवान, मोहित पहलवान, रोहित पहलवान, विकास गुर्जर पहलवान, लोकेश पहलवान, चीनू पहलवान, रितेश पहलवान, नवीन पहलवान, राजवीर पहलवान, तनिष्क पहलवान, गोकुल पहलवान, विनोद पहलवान, कुंज पहलवान, दुग्गू पहलवान, खुशम पहलवान, नक्श पहलवान, कल्प पहलवान, तरुण पहलवान, लखन पहलवान, लड्डू पहलवान, ऋषभ पहलवान, सोनू पहलवान, लक्की पहलवान आदि पहलवान कार्यक्रम में उपस्थित थे शस्त्र पूजन के साथ नवनियुक्त उस्ताद का साफा बांधकर सभी पहलवानों द्वारा स्वागत किया गया।

इंदौर में आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाई, बंद मकान से 234 बल्क लीटर अवैध शराब जब्त



खुशबू श्रीवास्तव

महू की सुपरसिटी कॉलोनी में कार्रवाई, करीब 1.17 लाख की मदिरा बरामद

इंदौर। जिले में अवैध मदिरा के विक्रय, परिवहन और संग्रहण के खिलाफ आबकारी विभाग का अभियान लगातार जारी है। इसी क्रम में बुधवार, 9 सितंबर 2026 को मुखबिर की सूचना पर आबकारी विभाग की टीम ने महू गांव की सुपरसिटी कॉलोनी स्थित शांति नगर के मकान नंबर 28D पर तलाशी कार्रवाई की। सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री पवन टीकेकर, श्रीमती निधि शर्मा एवं आबकारी उपनिरीक्षक श्री जयेश वास्केल के नेतृत्व में टीम ने बंद मकान की तलाशी ली। कार्रवाई के दौरान मौके से कुल 234 बल्क लीटर अवैध मदिरा बरामद की गई। बरामद

शराब में मसाला शराब की 11 पेटियां और प्लेन शराब की 15 पेटियां शामिल हैं। जब्त मदिरा की अनुमानित बाजार कीमत करीब 1.17 लाख रुपये बताई गई है। आबकारी विभाग के अनुसार बरामद मदिरा मध्यप्रदेश में बिक्री के लिए रखी गई थी।

यह कार्रवाई आबकारी आयुक्त मध्यप्रदेश के निर्देशों, कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेश तथा सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन में चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत की गई। कार्रवाई में कंट्रोलर श्री कमलेश सोलंकी, डिप्टी कंट्रोलर श्री मनोज अग्रवाल सहित विभागीय अधिकारियों के मार्गदर्शन में टीम ने कार्रवाई की। आबकारी विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध शराब के विक्रय, परिवहन और संग्रहण के खिलाफ कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

मिलों की झांकियों और अखाड़ों के बेहतरीन करतबों ने मोहा मन...

इंदौर। मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री श्री रामेश्वर जी पटेल के जन्मदिवस प्रसंग पर आयोजित सप्ताह के शुभारंभ अवसर पर विभिन्न अखाड़ों, व्यायाम शालाओं और मिलों की झांकियों के कलाकारों का सम्मान किया गया। इस भव्य कार्यक्रम में शस्त्र कला के शानदार प्रदर्शन और धार्मिक-पौराणिक प्रसंगों पर आधारित मिलों की झांकियों ने दर्शकों का मन मोहा लिया। इस अवसर पर मालवा रत्न अलंकरण से 23 साल के इस अवसर पर पप्पू बेरवा, नरेंद्र और विशेष सम्मान नौशाद भाई को प्रदान किया गया। उक्त जानकारी देते हुए मदन परमालिया और विनोद पटेल ने बताया कि इस वक्त सेंट्रल कोतवाली नगर सुरक्षा समिति के 50 साथियों का भी सम्मान किया गया।

इस सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश शासन के पूर्व मंत्री श्री सज्जन सिंह वर्मा ने शिरकत की और कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व



विधायक एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता श्री सत्यनारायण पटेल ने की। इसके अलावा, विशेष अतिथि के रूप में शहर कांग्रेस के अध्यक्ष चिंटू चौकसे, श्री राधेश्याम जी पटेल, मनोहर जी धवन, अर्चना जायसवाल, सोनाली मिमीरोड, ज्ञान सिंह दरबार (देवास), पार्षद सीमा सोलंकी, रीना बोरासी और इंदौर से रघु परमार सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पूरे समारोह के अंदर उक्त कार्यक्रम नेताजी सुभाष मंच के संयुक्त तत्वावधान और गीता रामेश्वरम ट्रस्ट के तत्वावधान में संपन्न हुआ। परंपरा के निर्वहन और मिलों के महत्वपूर्ण योगदान के मद्देनजर इस वर्ष केवल मिलों की झांकियों को पुरस्कार चयन में शामिल किया गया था:- अतिथीयोका स्वागत चेतन चोधरी, नरेंद्र सुर्यवशी, जगदीश जोशी, मिथलेश जोशी, मनोज पाटीदार, अल्बर्ट राबर्ट, आदि ने किया।

इंदौर में सुरों ने बांटी खुशियां, 'हृदय मंथन मौज मस्ती गुप' का कार्रओके कार्यक्रम रहा यादगार



खुशबू श्रीवास्तव

इंदौर। घर की चारदीवारी में अकेलेपन, तनाव और मानसिक परेशानी से जूझ रहे लोगों को सकारात्मक माहौल देने के उद्देश्य से 'HM हृदय मंथन मौज मस्ती गुप' द्वारा 6 सितंबर को सुदामा नगर स्थित कृष्णा पैलेस में निःशुल्क कार्रओके कार्यक्रम 'आदमी मुसाफिर है' का आयोजन किया गया। शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक चले इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता की और गीत-संगीत के साथ खुशनुमा समय बिताया।

कार्यक्रम का उद्देश्य संगीत के माध्यम से लोगों को तनावपूर्ण माहौल से बाहर निकालना और उन्हें सामाजिक रूप से जोड़ना रहा। आयोजकों ने कहा कि जब व्यक्ति अकेलेपन से बाहर निकलकर लोगों के बीच अपनी भावनाएं साझा करता है, तो सकारात्मक

सोच को बढ़ावा मिलता है और जीवन के प्रति उत्साह बढ़ता है।

अतिथियों ने भी दी गीतों की प्रस्तुति-कार्यक्रम में शहर के गणमान्य अतिथियों और गुप के सदस्यों ने सहभागिता की। कई अतिथि स्वयं मंच पर पहुंचे और गीतों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में चार चांद लगाए। गीत-संगीत, मनोरंजन और आपसी मेलजोल से पूरा माहौल उत्साहपूर्ण बना रहा। कार्यक्रम के आयोजक मोहन जी सोनी रहे, जबकि मनीष साहू जी, कोमल प्रजापत जी और पूनम बाजपेयी जी ने आयोजन को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बेस्ट परफॉर्मर एवं नवोदित कलाकार का सम्मान-कार्यक्रम में अनिल गुप्ता जी को बेस्ट परफॉर्मर के रूप में सराहा गया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर मनीष जी, सोनी जी, ठाकुर साहब, शैलेश जी और सुधीर जी की

उपस्थिति में पूनम बाजपेयी को नवोदित कलाकार के रूप में सम्मानित किया गया। आयोजन में महेंद्र ठाकुर, पूनम बाजपेयी, अनिल गुप्ता, राज वर्मा, मन भैया, सुनील वर्मा, जगदीश जी, ओम जी, शिव शर्मा, दिनेश साहू, कन्हैया लाल साहू, विनोद जी, शैलेश जैन, सुधीर अग्रवाल एवं रवि भावसार सहित गुप के सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा। आयोजकों ने बताया कि 'हृदय मंथन मौज मस्ती गुप' भविष्य में भी संगीत और सामाजिक एकजुटता के माध्यम से सकारात्मक वातावरण बनाने वाले ऐसे कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

स्थान: कृष्णा पैलेस, फूटी कोठी चौराहा, सुदामा नगर, इंदौर
कार्यक्रम: निःशुल्क कार्रओके प्रोग्राम — 'आदमी मुसाफिर है'
आयोजन: HM हृदय मंथन मौज मस्ती गुप

इंदौर में अवैध मदिरा के खिलाफ आबकारी विभाग की कार्रवाई



खुशबू श्रीवास्तव

कैट रोड के ढाबों पर सघन चेकिंग, अनियमितता मिलने पर 10 प्रकरण दर्ज

इंदौर। अवैध मदिरा के सेवन और नियमों के उल्लंघन के खिलाफ जिला आबकारी विभाग ने सख्त कार्रवाई की है। कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के आदेश, सहायक आयुक्त आबकारी श्री अभिषेक तिवारी के निर्देशन तथा सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्री जहांगीर खान के नेतृत्व में 9 सितंबर 2026 की शाम कैट रोड स्थित विभिन्न ढाबों पर सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान मराठा ढाबा, मुरारी ढाबा एवं गन्नू के ढाबे की जांच की

गई। जांच में अनियमितताएं पाए जाने पर आबकारी विभाग ने नियमानुसार कार्रवाई करते हुए संबंधित ढाबा संचालकों तथा अवैध रूप से मदिरा का सेवन करने वाले व्यक्तियों के खिलाफ मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 (संशोधित अधिनियम, 2000) की धारा 36(ए) एवं 36(बी) के तहत कुल 10 प्रकरण पंजीबद्ध किए।

आबकारी विभाग ने ढाबा संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए कि परिसर में अवैध रूप से मदिरा का सेवन न करवाया जाए और आबकारी नियमों का कड़ाई से पालन किया जाए। विभाग ने चेतावनी दी कि भविष्य में नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर और अधिक कठोर कार्रवाई की जाएगी। कैट रोड के ढाबों पर आबकारी विभाग का शिकंजा अवैध मदिरा के खिलाफ कार्रवाई।

परिवार में सामंजस्य बढ़ाता है सहजयोग

परिवार हमारे जीवन की पहली पाठशाला है। यहीं से हमें प्रेम, सहयोग, संस्कार और आपसी सम्मान की सीख मिलती है। लेकिन आज की तेज़ जीवनशैली, बढ़ता तनाव, व्यस्तता और अपेक्षाओं के कारण परिवार के सदस्यों के बीच छोटी-छोटी बातों पर मतभेद होने लगे हैं। ऐसे समय में सहजयोग परिवार में शांति, संतुलन और सामंजस्य स्थापित करने का एक सरल माध्यम बन सकता है। सहजयोग का मूल उद्देश्य व्यक्ति को अपने भीतर की शांति से जोड़ना है।

जब मन शांत होता है, तो हमारी सोच और व्यवहार में भी सकारात्मक परिवर्तन आने लगता है। परिवार में सामंजस्य की शुरुआत भी व्यक्ति के अपने भीतर से होती है।

यदि हम स्वयं क्रोध, तनाव और अहंकार पर नियंत्रण रखना सीख जाएँ, तो परिवार के वातावरण पर उसका सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सहजयोग ध्यान के माध्यम से व्यक्ति को अपने भीतर झाँकने और अपनी भावनाओं को समझने का अवसर



मिलता है। नियमित ध्यान करने से मन को स्थिर रखने और अनावश्यक प्रतिक्रियाओं से बचने में सहायता मिल सकती है। उदाहरण के लिए, किसी पारिवारिक विवाद के समय तुरंत उत्तर देने के बजाय यदि व्यक्ति कुछ क्षण शांत रहकर सोचता है, तो बात बढ़ने के बजाय समाधान की दिशा में जा सकती है।

परिवार के सदस्य यदि कुछ समय साथ बैठकर ध्यान करें, तो यह एक सुंदर पारिवारिक अभ्यास बन सकता है। कुछ मिनटों का सामूहिक ध्यान घर के वातावरण को शांत और सकारात्मक बनाने में सहायक हो सकता है। इसके साथ ही

परिवार में एक-दूसरे की बात ध्यान से सुनना, सम्मान देना और अपनी गलती होने पर क्षमा माँगना भी आवश्यक है।

सहजयोग हमें यह समझने में मदद करता है कि वास्तविक खुशी केवल बाहरी सुविधाओं में नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन में है। जब परिवार का प्रत्येक सदस्य अपने भीतर शांति विकसित करने का प्रयास करता है, तो आपसी संबंधों में सहजता और मधुरता बढ़ सकती है। इस प्रकार, सहजयोग केवल ध्यान की एक पद्धति के रूप में नहीं, बल्कि शांत मन, प्रेमपूर्ण व्यवहार और बेहतर पारिवारिक संबंधों की दिशा में एक अभ्यास के रूप में अपनाया जा सकता है। परिवार में प्रतिदिन कुछ समय ध्यान, संवाद और आत्मचिंतन के लिए निकालना सामंजस्यपूर्ण जीवन की ओर एक छोटा लेकिन सार्थक कदम हो सकता है।

सहजयोग ध्यान पूर्णतः निःशुल्क है। सहजयोग की अधिक जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 अथवा www.sahajayoga.org.in से प्राप्त कर सकते हैं।

गणेशोत्सव में 12 दिन मांस-मटन दुकानें बंद रखने की मांग



राष्ट्रीय सनातन सेना भारत ने महापौर पुष्पमित्र भार्गव को सौंपा ज्ञापन, नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन

राजेश धाकड़

इंदौर। गणेश चतुर्थी के पावन पर्व के दौरान शहर में धार्मिक एवं सांस्कृतिक वातावरण बनाए रखने की मांग को लेकर राष्ट्रीय सनातन सेना भारत द्वारा इंदौर नगर निगम के महापौर पुष्पमित्र भार्गव को ज्ञापन सौंपा गया। संगठन के जिला उपाध्यक्ष विशाल मंडलोई के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में गणेशोत्सव के दौरान 12 दिनों तक शहर में मांस-मटन की दुकानों को बंद रखने के लिए

प्रशासनिक आदेश जारी करने की मांग की गई। संगठन पदाधिकारियों का कहना है कि गणेशोत्सव हिंदू समाज की आस्था से जुड़ा प्रमुख धार्मिक पर्व है। ऐसे में उत्सव के दौरान शहर में स्वच्छता, धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक वातावरण बनाए रखना आवश्यक है। इसी उद्देश्य से 12 दिनों तक मांस-मटन की दुकानों को बंद रखने की मांग प्रशासन के समक्ष रखी गई है। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि संगठन की मांग का उद्देश्य किसी व्यक्ति या समुदाय की भावनाओं को ठेस पहुंचाना नहीं, बल्कि धार्मिक आस्था, स्वच्छता और शहर की सांस्कृतिक

परंपराओं का सम्मान सुनिश्चित करना है।

मामले को लेकर महापौर पुष्पमित्र भार्गव ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन एवं नगर निगम के नियमों के अनुरूप ही कार्रवाई की जाएगी। शहर के हित में और मांसाहार को लेकर जो भी उचित प्रशासनिक निर्णय होगा, वह नियमानुसार लिया जाएगा। महापौर के आश्वासन के बाद अब संगठन की इस मांग को लेकर प्रशासन के आगामी निर्णय पर नजर बनी हुई है। गणेशोत्सव के दौरान मांस-मटन की दुकानों को बंद रखने को लेकर शहर में भी चर्चा तेज हो गई है।

रक्तदान महादान-मानव सेवा के संकल्प के साथ भारतीय किसान यूनियन धरतीपुत्र ने दिया सेवा का संदेश



बाराबंकी। भारतीय किसान यूनियन धरतीपुत्र संगठन के जिला अध्यक्ष बाराबंकी श्री मनीष यादव जी द्वारा आयोजित रक्तदान कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर सहभागिता की। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष श्री मनीष यादव जी ने अपनी टीम के साथ स्वयं रक्तदान कर मानव सेवा एवं सामाजिक जिम्मेदारी का प्रेरणादायक संदेश दिया। रक्तदान कार्यक्रम के माध्यम से संगठन ने समाज में जरूरतमंद मरीजों के प्रति संवेदनशीलता और सहयोग की भावना को मजबूत करने का संदेश दिया। संगठन का मानना है कि रक्तदान केवल रक्त देने का कार्य नहीं, बल्कि किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को

बचाने की दिशा में किया गया महत्वपूर्ण मानवीय प्रयास है। भारतीय किसान यूनियन धरतीपुत्र संगठन ने आमजन से भी अपील की कि स्वस्थ एवं योग्य नागरिक समय-समय पर स्वेच्छा से रक्तदान कर मानवता की सेवा में अपना योगदान दें। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया कि किसान-मजदूरों के हितों के साथ-साथ सामाजिक एवं मानवीय सेवा के कार्यों में भी संगठन निरंतर सक्रिय भूमिका निभाता रहेगा।

किसान सेवक
श्री दिनेश यादव
संस्थापक/राष्ट्रीय अध्यक्ष
भारतीय किसान यूनियन धरतीपुत्र
मोहम्मद आसिफ रिपोर्ट लखनऊ

प्रेमनगर में पारदर्शी लॉटरी प्रक्रिया से हुआ आवास आवंटन, महापौर श्रीमती सूरी की गरिमामय उपस्थिति में हितग्राहियों को सौंपे गए आवंटन पत्र

आवंटित आवास में गृह प्रवेश, खुशी से खिले हितग्राहियों के चेहरे, जताया आभार

नवल किशोर

कटनी। प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत अपने पक्के घर का लंबे समय से इंतजार कर रहे 102 पात्र हितग्राहियों के लिए बुधवार का दिन खुशियों से भरा रहा। नगर पालिक निगम कटनी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के एचपी घटक के अंतर्गत प्रेमनगर बस्ती में निर्मित 102 आवासों का पारदर्शी लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से आवंटन किया गया। आवास आवंटन कार्यक्रम महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी की गरिमामय उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस दौरान पात्र हितग्राहियों को उनके आवास आवंटन पत्र प्रदान किए गए।

हितग्राहियों ने अपने हाथों से चुना अपना आशियाना- निगम प्रशासन द्वारा आवास आवंटन की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाए रखते हुए पात्र हितग्राहियों को स्वयं लॉटरी के माध्यम से आवास चुनने का अवसर दिया गया। हितग्राहियों द्वारा पर्चियां निकालकर आवास क्रमांक का चयन किया गया। लॉटरी में जैसे-जैसे हितग्राहियों के नाम और आवास क्रमांक सामने आते गए, वैसे-वैसे कार्यक्रम स्थल पर उत्साह और खुशी का माहौल बनता गया। कई हितग्राहियों के लिए यह क्षण विशेष भावुक करने वाला रहा, क्योंकि लंबे समय से स्वयं के पक्के मकान का सपना संजोए परिवारों को अब अपना आशियाना मिलने की खुशी मिली।

102 परिवारों के पक्के घर का सपना हुआ साकार- प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से प्रेमनगर में निर्मित 102 आवासों का आवंटन शहर के उन परिवारों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है, जो लंबे समय से अपने स्वयं के पक्के मकान की प्रतीक्षा कर रहे थे। आवास मिलने से इन परिवारों को न केवल सुरक्षित एवं स्थायी आवास



उपलब्ध होगा, बल्कि उनके जीवन में स्थायित्व और बेहतर भविष्य की नई उम्मीद भी जुड़ी है। प्रधानमंत्री आवास योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं पात्र परिवारों को पक्का आवास उपलब्ध कराकर उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाना है। इसी दिशा में नगर पालिक निगम कटनी द्वारा पात्र हितग्राहियों को योजना का लाभ दिलाने के लिए निरंतर कार्य किया जा रहा है।

महापौर, निगमाध्यक्ष एवं निगमायुक्त ने दी हितग्राहियों को शुभकामनाएं- इस अवसर पर महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, निगमाध्यक्ष श्री मनीष पाठक एवं निगमायुक्त सुश्री तपस्या परिहार ने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत आवास प्राप्त करने वाले सभी हितग्राहियों को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक परिवार के लिए अपना पक्का घर केवल एक भवन नहीं, बल्कि सुरक्षित भविष्य, स्थायित्व और सम्मानजनक जीवन का आधार होता है। उन्होंने हितग्राहियों के जीवन में आए इस महत्वपूर्ण अवसर पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल एवं सुखद भविष्य की कामना की। साथ ही आवंटित आवासों का निर्धारित नियमों के अनुसार उपयोग करने एवं उन्हें स्वच्छ तथा सुव्यवस्थित रखने की अपील की।

पारदर्शी प्रक्रिया से हुआ आवासों का आवंटन- योजना के नोडल अधिकारी श्री अनिल जायसवाल ने बताया कि आवास आवंटन की पूरी प्रक्रिया निर्धारित नियमों एवं मापदंडों के अनुसार पारदर्शी



तरीके से संपन्न कराई गई। पात्र हितग्राहियों को लॉटरी के माध्यम से स्वयं आवास चुनने का अवसर दिया गया, जिससे आवंटन प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे और सभी पात्र हितग्राहियों को समान अवसर प्राप्त हो।

नए घर की दहलीज पर खुशियों ने दी दस्तक, हितग्राहियों ने जताया आभार- आवास आवंटन के पश्चात हितग्राही सुभाष कुरिल एवं सीमा श्रीवास्तव द्वारा अपने-अपने आवंटित आवास पर कलश पूजन एवं जल अर्पित कर विधिवत गृह प्रवेश किया गया। इस अवसर पर महापौर श्रीमती सूरी ने दोनों हितग्राहियों को उनके नए घर के लिए हार्दिक शुभकामनाएं दीं तथा उनके सुखी, समृद्ध एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने हितग्राहियों से आग्रह किया कि वे अपने घर के साथ-साथ आसपास के वातावरण को भी स्वच्छ एवं सुव्यवस्थित रखें तथा स्वच्छता के प्रति जागरूक रहते हुए स्वच्छ एवं सुंदर कटनी के निर्माण में अपना सहयोग प्रदान करें। उन्होंने आवास प्राप्त करने वाले सभी नागरिकों को भी शुभकामनाएं दीं।

हितग्राहियों ने जताया आभार, कहा आज पूरा हुआ वर्षों का सपना- आवास आवंटन के दौरान हितग्राहियों में खास उत्साह देखने को मिला। अपने आवास का क्रमांक लॉटरी के माध्यम से स्वयं चुनने और आवंटन पत्र प्राप्त करने के बाद हितग्राहियों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन, प्रशासन के प्रति

हृदय से आभार व्यक्त किया। हितग्राहियों ने कहा कि अपने परिवार के लिए स्वयं का पक्का घर होना उनका लंबे समय से देखा हुआ सपना था। आर्थिक परिस्थितियों के कारण यह सपना पूरा होना आसान नहीं था, लेकिन प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से उन्हें अपने परिवार के लिए सुरक्षित और स्थायी आशियाना प्राप्त हुआ है। लॉटरी के माध्यम से स्वयं अपने आवास का चयन करने और इसके बाद आवंटन पत्र प्राप्त करने का अवसर उनके लिए बेहद खुशी और यादगार पल रहा। हितग्राहियों ने कहा कि आज उनके लिए केवल एक मकान का आवंटन नहीं हुआ है, बल्कि उनके परिवार को एक सुरक्षित भविष्य, स्थायित्व और सम्मान के साथ जीवन जीने का आधार मिला है। उन्होंने शासन की इस योजना को जरूरतमंद परिवारों के लिए बेहद महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके वर्षों पुराने सपने को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

आवास के उपयोग को लेकर नियमों की दी गई जानकारी

निगम प्रशासन द्वारा हितग्राहियों को आवास आवंटन से संबंधित नियमों की जानकारी भी दी गई। स्पष्ट किया गया कि आवास की निर्धारित संपूर्ण राशि जमा करने के बाद ही आधिपत्य पत्र जारी किया जाएगा। साथ ही आवंटित आवास का उपयोग निर्धारित नियमों के अनुसार ही किया जाना होगा। निगम प्रशासन ने यह भी स्पष्ट किया कि आवंटित आवास को किराये पर देने अथवा किसी अपात्र व्यक्ति को आवास में रहने देने की स्थिति में आवंटन निरस्त किया जा सकता है तथा संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। कार्यक्रम में एमआईसी सदस्य सुभाष साहू, नोडल अधिकारी अनिल जायसवाल, उपयंत्री जेपी सिंह बघेल सहित निगम के अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र हितग्राही उपस्थित रहे।

जनकल्याण संबल योजना के लंबित प्रकरणों में संवेदनशीलता के साथ करें तत्परता पूर्वक निराकरण की कार्यवाही, शत प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को कराएं लाभान्वित - कलेक्टर श्री तिवारी

कटनी। मुख्यमंत्री जन कल्याण संबल (2.0) के पंजीयन एवं अनुग्रह सहायता के लंबित प्रकरणों में अत्यंत संवेदनशीलता के साथ निराकरण की कार्यवाही तत्परता पूर्वक करते हुए शत प्रतिशत पात्र आवेदकों को लाभान्वित कराएं। ग्रामीण नल जल योजनाओं के सुचारू संचालन के लिए विद्युत बिल नियमित रूप से जमा कराने हेतु ठोस कार्य योजना बनाकर ग्राम पंचायतवार नल जल कनेक्शन धारी हितग्राहियों की सूची तैयार कर नियमित रूप से जलकर वसूली सुनिश्चित कराएँ। इस आशय के निर्देश कलेक्टर श्री आशीष तिवारी ने मंगलवार को जिला पंचायत के सभा कक्ष में आयोजित पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की समीक्षा बैठक में समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों, श्रम एवं लोक



स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को दिए। समीक्षा के दौरान संबल योजना के काफी समय से लंबित प्रकरणों के संबंध में निराकरण नहीं होने के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को सख्त हिदायत देते हुए कहा कि समन्वय स्थापित कर तीन दिवस के अंदर आवश्यक निराकरण सुनिश्चित करने की कार्यवाही करें। अत्यंत पुराने वर्षों के लंबित मामलों में जवाबदेही सुनिश्चित कर जिम्मेदार लोक सेवकों पर

आवश्यक कार्रवाई किए जाने के निर्देश भी अधिकारियों को दिए। इस दौरान कलेक्टर श्री तिवारी ने प्रधान मंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना के अंतर्गत एमडीएम संचालित करने वाले स्व सहायता समूहों की एनआरएलएम में पंजीयन की समीक्षा की। उन्होंने ढीमरखेड़ा एवं विजयराघवगढ़ के लंबित पंजीकृत समूह को पंजीकृत करने के निर्देश दिए। जिला पंचायत सीईओ कौर ने विद्यालयों में छात्र-छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण मध्याह्न भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित कराने अधिकारियों को नियमित निरीक्षण के साथ शालाओं का सतत निरीक्षण किए जाने के निर्देश दिए। 66 समूहों द्वारा खाद्यान्न उठाव नहीं किए पर नाराजगी जताते हुए समय पर खाद्यान्न का उठाव करने समूहों को निर्देशित करने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

बाढ़ प्रभावित गांवों में पहुंची सेवादल यंग ब्रिगेड की टीम राहत सामग्री का वितरण

कटनी। यंग ब्रिगेड जिला अध्यक्ष आदित्य जैन नमन ने बताया की सतना जिले में आई भीषण बाढ़ से प्रभावित चित्रकूट सहित आसपास के कई गांवों में सेवादल यंग ब्रिगेड के पदाधिकारी एक बार फिर राहत और सेवा कार्य के लिए पहुंचे। राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश एवं बाढ़ पीड़ित परिवारों से किए गए वादे को निभाते हुए सेवादल यंग ब्रिगेड की टीम ने प्रभावित परिवारों के घरों में जमा कीचड़ की सफाई कर सामान को व्यवस्थित किया तथा जरूरतमंदों को राहत सामग्री वितरित की। बाढ़ के दौरान सेवादल यंग ब्रिगेड के पदाधिकारी सबसे पहले राहत सामग्री लेकर प्रभावित क्षेत्रों

में पहुंचे थे। उस दौरान बाढ़ पीड़ितों ने वीडियो कॉल के माध्यम से राष्ट्रीय अध्यक्ष को अपनी समस्याओं से अवगत कराया था। पीड़ित परिवारों ने बताया था कि बाढ़ का पानी उतरने



के बाद भी उनके घरों में घुटनों तक कीचड़ जमा है और घर का सामान अस्त-व्यस्त पड़ा है। इस पर राष्ट्रीय अध्यक्ष ने सेवादल के कार्यकर्ताओं को प्रभावित परिवारों की मदद करने के निर्देश दिए थे।

घर पर ही बनाने हैं नरम और फूले-फूले भटूरे

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। छोले-भटूरे का नाम सुनते ही मुंह में पानी आ जाता है। संडे की सुबह हो या कोई खास मौका, गरमागरम छोले के साथ भटूरे खाने का मजा ही कुछ और है। हालांकि, अक्सर लोगों की यह शिकायत रहती है कि घर पर भटूरे बाजार जैसे नरम और गुब्बारे की तरह फूले हुए नहीं बनते। कभी वे पापड़ की तरह कड़क हो जाते हैं, तो कभी बिल्कुल पिचक जाते हैं। अगर आपके साथ भी ऐसा होता है, तो अब आपको परेशान होने की बिल्कुल जरूरत नहीं है। परफेक्ट भटूरे बनाने का असली सीक्रेट उसे तलने में नहीं, बल्कि उसका आटा गूंथने में छिपा होता है। आइए जानते हैं कि मैदा गूंथते समय आपको उसमें कौन-सी खास चीजें मिलानी चाहिए। अक्सर लोग भटूरे



बनाते समय सिर्फ मैदा का इस्तेमाल करते हैं, लेकिन बाजार जैसे भटूरे बनाने के लिए मैदा में 2-3 चम्मच बारीक सूजी मिलाना बहुत जरूरी है। सूजी भटूरे को बाहर से हल्का क्रिस्पी बनाती है और तलने के बाद उसे देर तक फूला हुआ रखने में मदद करती है। इससे आपके भटूरे ठंडे होने के बाद भी रबर जैसे नहीं खिंचेंगे।

खट्टा दही और थोड़ी-सी चीनी- भटूरे के आटे में खमीर उठाना सबसे जरूरी कदम है। इसके लिए मैदा में आधा कप खट्टा दही जरूर मिलाएं। दही

आटे को अंदर से जालीदार और एकदम मुलायम बनाता है। साथ ही, इसमें एक छोटी चम्मच चीनी भी डालें। चीनी डालने से भटूरों का रंग तलते समय बहुत ही सुनहरा और खूबसूरत आता है।

बेकिंग सोडा और बेकिंग पाउडर- अगर आप बिना यीस्ट के, तुरंत भटूरे बनाना चाहते हैं, तो बेकिंग सोडा और बेकिंग पाउडर आपके सबसे अच्छे दोस्त हैं। मैदा में आधा चम्मच बेकिंग पाउडर और एक चौथाई चम्मच बेकिंग सोडा मिलाएं। जब ये दोनों दही के साथ मिलते हैं, तो भटूरे तेल में जाते ही एकदम गुब्बारे की तरह फूल जाते हैं। तेल का मोयन और गुनगुना पानी- आटे को एकदम चिकना बनाने के लिए उसमें 2 चम्मच रिफाईंड तेल या घी मिलाएं। इसके बाद पूरे मिश्रण को अच्छी तरह मिला लें और फिर हल्के गुनगुने पानी की मदद से एक नरम आटा गूंथ लें।

गणेश चतुर्थी पर बप्पा को लगाएं उकडीचे मोदक का भोग, घर पर ऐसे बनाएं महाराष्ट्र के पारंपरिक मोदक

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। गणेश चतुर्थी का पर्व भगवान गणेश की आराधना और भक्ति का विशेष अवसर होता है। इस दिन भक्त अपने घरों और मंदिरों में गणपति बप्पा की स्थापना करते हैं और उन्हें उनकी पसंद के अलग-अलग पकवानों का भोग लगाते हैं। भगवान गणेश को मोदक बेहद प्रिय माने जाते हैं। यही वजह है कि गणेश चतुर्थी के दौरान बाजारों से लेकर घरों तक तरह-तरह के मोदक तैयार किए जाते हैं। इनमें महाराष्ट्र के पारंपरिक *उकडीचे मोदक का विशेष महत्व है। उकडीचे मोदक स्वाद के साथ-साथ अपनी खास बनाने की विधि के लिए भी जाने जाते हैं। ये मोदक तलकर नहीं, बल्कि भाप में पकाए जाते हैं। बाहर से मुलायम और अंदर से नारियल तथा गुड़ की मीठी भरावन वाले ये मोदक गणेश उत्सव के भोग के लिए बिल्कुल उपयुक्त होते हैं। अगर आप भी इस गणेश चतुर्थी पर घर में बप्पा के लिए कुछ खास बनाना चाहते हैं तो उकडीचे मोदक आसानी से तैयार कर सकते हैं।

चावल के आटे से तैयार होती है बाहरी परत- उकडीचे मोदक बनाने के लिए सबसे पहले इसकी बाहरी परत तैयार की जाती है। इसके लिए चावल का आटा मुख्य सामग्री होता है। चावल के आटे को पानी में पकाकर नरम आटा तैयार किया जाता है। आटा जितना मुलायम और चिकना होगा, मोदक उतने ही अच्छे बनेंगे और उन्हें आकार देने में भी आसानी होगी। सबसे पहले एक बर्तन में पानी गर्म करें। इसमें थोड़ा घी और एक चुटकी नमक डाल सकते हैं। पानी में उबाल आने के बाद इसमें धीरे-धीरे चावल का आटा डालें और लगातार चलाते रहें, ताकि इसमें गांठें न पड़ें। कुछ देर पकाने के बाद गैस बंद कर दें और मिश्रण को ढककर थोड़ी देर के लिए रख दें। जब मिश्रण थोड़ा ठंडा हो जाए तो इसे हाथों से अच्छी तरह गूंथकर मुलायम आटा तैयार कर लें।

नारियल और गुड़ से बनेगी स्वादिष्ट भरावन- अब मोदक के अंदर भरने वाली मीठी सामग्री तैयार करें। इसके लिए ताजा कद्दूकस किया हुआ नारियल और गुड़ लिया जाता है। एक कड़ाही में थोड़ा सा घी गर्म करके उसमें नारियल और गुड़ डालें। इसे धीमी आंच पर चलाते हुए पकाएं।

न गोली, न इंजेक्शन... छेनी-हथौड़ी से दर्द का इलाज! एमपी में अनोखी पद्धति पर सवाल

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

मध्यप्रदेश। दर्द से राहत पाने के लिए लोग आमतौर पर दवाइयों, इंजेक्शन या फिजियोथेरेपी का सहारा लेते हैं, लेकिन मध्यप्रदेश में एक ऐसी पारंपरिक पद्धति चर्चा में है, जिसमें शरीर के दर्द को दूर करने के लिए छेनी और हथौड़ी जैसे औजारों का इस्तेमाल किए जाने का दावा किया जाता है।

इस पद्धति को लेकर स्थानीय स्तर पर कई तरह के दावे किए जाते हैं। समर्थकों का कहना है कि शरीर के प्रभावित हिस्सों पर विशेष तरीके से दबाव या प्रहार करने से दर्द में राहत मिल सकती है। कुछ लोग इसे वर्षों पुरानी पारंपरिक तकनीक बताते हैं।

लेकिन यहां सबसे महत्वपूर्ण सवाल इलाज की सुरक्षा और वैज्ञानिक प्रमाण का है। शरीर पर हथौड़ी या किसी कठोर औजार से प्रहार करना गलत तरीके से किए जाने पर चोट, नसों को नुकसान या हड्डी संबंधी समस्या पैदा कर सकता है। इसलिए केवल किसी व्यक्ति के अनुभव या दावे के आधार पर इसे प्रमाणित चिकित्सा पद्धति



नहीं माना जा सकता।

यदि यह तकनीक वास्तव में किसी पारंपरिक उपचार पद्धति का हिस्सा है तो इसके प्रशिक्षित चिकित्सक, मान्यता, उपचार की प्रक्रिया और वैज्ञानिक अध्ययन सामने आना जरूरी है। दर्द गायब होने का दावा आकर्षक जरूर है,

लेकिन सवाल यह है

राहत वास्तव में इलाज से मिल रही है या जोखिम के साथ प्रयोग किया जा रहा है? किसी भी गंभीर या लगातार बने रहने वाले दर्द में प्रमाणित चिकित्सकीय सलाह लेना जरूरी है।

बुलेट कॉफी क्या है? सेलिब्रिटीज के बीच क्यों है लोकप्रिय, ऐसे बनाएं

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

कॉफी में दूध और चीनी डालकर पीना तो आम बात है, लेकिन बुलेट कॉफी में दूध की जगह मक्खन या घी और एमसीटी तेल मिलाया जाता है। इसे आमतौर पर कम कार्बोहाइड्रेट और कीटो आहार लेने वाले लोग पसंद करते हैं। इसे ब्लेंड करने पर कॉफी का स्वाद और बनावट काफी क्रीमी हो जाती है।

सोशल मीडिया और फिटनेस जगत में इसे ऊर्जा, लंबे समय तक पेट भरा रखने और ध्यान केंद्रित करने के लिए लोकप्रिय बताया जाता है। हालांकि, वैज्ञानिक शोध अभी इतने मजबूत नहीं हैं कि बुलेट कॉफी को सामान्य कॉफी से बेहतर या वजन घटाने का कोई खास उपाय माना जाए।

बनाने का आसान तरीका

एक कप गर्म बनी हुई कॉफी लें। इसमें करीब 1 चम्मच से 1 बड़ा चम्मच एमसीटी तेल और 1-2 चम्मच घी या बिना नमक वाला मक्खन डालें। सभी चीजों को ब्लेंडर में करीब 20-30 सेकंड तक फेंटें, जब तक ऊपर झाग और क्रीमी बनावट न आ जाए। लेकिन इसे रोजाना नाश्ते का विकल्प समझना सही नहीं है। मक्खन और तेल के कारण एक कप में कैलोरी और वसा काफी अधिक हो सकती है, पोषक तत्व कम होते हैं।

बार-बार दर्द की गोली लेना पड़ सकता है किडनी पर भारी

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

सिरदर्द, कमर दर्द, जोड़ों या शरीर में दर्द होते ही बिना डॉक्टर की सलाह के दर्द की गोली लेना आम आदत बन गई है। लेकिन यही आदत लंबे समय में किडनी के लिए नुकसानदायक हो सकती है। खासकर कुछ दर्दनिवारक दवाओं का बार-बार या अधिक मात्रा में इस्तेमाल अचानक किडनी खराब होने का खतरा बढ़ा सकता है।

विशेषज्ञों के मुताबिक इबुप्रोफेन, नेप्रोक्सेन और डाइक्लोफेनाक जैसी गैर-स्टेरोयड सूजनरोधी दर्दनिवारक दवाएं किडनी में रक्त के प्रवाह को कम कर सकती हैं। इनका खतरा अधिक मात्रा, लंबे समय तक सेवन और पहले से मौजूद किडनी की बीमारी में बढ़ जाता है।

खतरा तब और बढ़ सकता है जब व्यक्ति पानी की कमी से जूझ रहा हो या साथ में कुछ रक्तचाप की दवाएं अथवा मूत्रवर्धक दवाएं ले रहा हो। ऐसे मामलों में किडनी पर अचानक दबाव पड़ सकता है।

इसका मतलब यह नहीं कि हर दर्द की गोली किडनी को नुकसान पहुंचाती है। दवा का असर उसके प्रकार, मात्रा, कितने समय तक ली गई और व्यक्ति की स्वास्थ्य स्थिति पर निर्भर करता है। उदाहरण के लिए, किडनी रोग वाले लोगों में दर्द की दवा का चुनाव डॉक्टर की सलाह से होना चाहिए। सावधानी जरूरी है: दर्द की गोली अपनी मर्जी से लगातार लेने के बजाय दर्द का कारण पता कराएं। दवा हमेशा निर्धारित मात्रा और कम से कम आवश्यक अवधि तक ही लें।

बुखार में नहाना सही या गलत? जानिए क्या कहते हैं विशेषज्ञ

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

बुखार आते ही घरों में एक आम सलाह सुनने को मिलती है—नहाना नहीं चाहिए। वहीं कुछ लोग शरीर का तापमान कम करने के लिए ठंडे पानी से नहाने की सलाह देते हैं। लेकिन दोनों ही बातों को पूरी तरह सही नहीं माना जा सकता। विशेषज्ञों के मुताबिक बुखार में नहाना पूरी तरह प्रतिबंधित नहीं है, लेकिन पानी का तापमान और शरीर की स्थिति बेहद महत्वपूर्ण है।

अगर मरीज को नहाने से आराम मिलता है

तो गुनगुने पानी से थोड़ी देर नहाया जा सकता है। इससे शरीर को आराम मिल सकता है और गर्मी का एहसास कम हो सकता है। हालांकि, नहाने से बुखार का मूल कारण खत्म नहीं होता। संक्रमण या बीमारी का इलाज जरूरी है।

ठंडे पानी या बर्फ के पानी से नहाने की गलती न करें। अचानक ठंड लगने से शरीर में कंपकंपी हो सकती है और मांसपेशियों की गतिविधि से शरीर का अंदरूनी तापमान बढ़ सकता है। इसी तरह बहुत गर्म पानी भी उचित नहीं है, क्योंकि इससे कमजोरी और पानी की कमी बढ़ सकती है।

दुनिया के सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले प्रधानमंत्री होंगे लॉरेंस वोंग, ट्रंप से करीब 7 गुना ज्यादा होगी सैलरी

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग की सैलरी में बड़ा इजाफा होने जा रहा है। 15 अक्टूबर 2026 से लागू

तुलना करें तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का वार्षिक वेतन 4 लाख डॉलर है। नए वेतन पैकेज के आधार पर सिंगापुर के प्रधानमंत्री की आय अमेरिकी राष्ट्रपति के वेतन से करीब सात गुना होगी।



होने वाले नए वेतन ढांचे के तहत उनकी सालाना आय 22 लाख सिंगापुर डॉलर से बढ़कर 36 लाख सिंगापुर डॉलर हो जाएगी। यह करीब 64 प्रतिशत की बढ़ोतरी है। भारतीय मुद्रा में यह रकम लगभग 26 करोड़ से अधिक बैठती है।

इस बढ़ोतरी के बाद वोंग दुनिया के सबसे ज्यादा वेतन पाने वाले राजनीतिक नेताओं में शीर्ष पर होंगे।

सिंगापुर सरकार का तर्क है कि राजनीतिक नेतृत्व का वेतन निजी क्षेत्र में शीर्ष स्तर की कमाई से जुड़ा होना चाहिए, ताकि योग्य लोगों को राजनीति में आकर्षित किया जा सके और भ्रष्टाचार को रोकने में मदद मिले। वहां वेतन तय करने के लिए देश के शीर्ष कमाई करने वाले लोगों की आय को एक प्रमुख मानक बनाया जाता है।

हालांकि इतनी बड़ी बढ़ोतरी को लेकर सिंगापुर में बहस भी शुरू हो गई है। प्रधानमंत्री वोंग ने माना कि यह संवेदनशील मुद्दा है। उन्होंने घोषणा की है कि वेतन बढ़ोतरी से मिलने वाली अतिरिक्त राशि अगले पांच वर्षों तक दान करेंगे।

दिलचस्प बात यह है कि सिंगापुर में मंत्रियों के वेतन में आखिरी बड़ी कटौती 2012 में हुई थी। अब 15 साल बाद पहली बार वेतन ढांचे में बड़ा बदलाव किया जा रहा है।

2,100 नहीं, अब 1,700-1,785 में मिल सकता है NSE का शेयर

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

लंबे समय से नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के आईपीओ का इंतजार कर रहे निवेशकों के लिए बड़ा अपडेट सामने आया है। बाजार में पहले चर्चा थी कि NSE अपने शेयर का मूल्य 2,000 से 2,100 के दायरे में रख सकता है। अब नई रिपोर्टों के मुताबिक प्रस्तावित मूल्य दायरा घटाकर 1,700 से 1,785 प्रति शेयर किया जा सकता है। इस कीमत पर NSE का संभावित मूल्यांकन करीब 4.42 लाख करोड़ यानी लगभग 46.6 अरब डॉलर रह सकता है। पहले कंपनी का मूल्यांकन करीब 5.26 लाख करोड़ तक माना जा रहा था। कीमत घटने के साथ आईपीओ में बिक्री के लिए रखी जाने वाली हिस्सेदारी भी 6 प्रतिशत से घटकर करीब 5.5 प्रतिशत किए जाने की

संभावना है।

NSE दुनिया का सबसे बड़ा डेरिवेटिव कारोबार वाला एक्सचेंज है और इसका आईपीओ भारतीय शेयर बाजार के इतिहास के सबसे बड़े आईपीओ में शामिल हो सकता है। भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड ने 4 सितंबर को इसके आईपीओ दस्तावेजों को मंजूरी दे दी थी। रिपोर्टों के अनुसार आईपीओ



14 सितंबर से शुरू होने वाले सप्ताह में खुल सकता है, हालांकि अंतिम तारीख और मूल्य दायरा अभी आधिकारिक रूप से घोषित होना बाकी है। इसलिए फिलहाल 1,700-1,785 को संभावित मूल्य दायरा ही माना जाना चाहिए। खास बात यह है कि यह ऑफर फॉर सेल होगा। यानी आईपीओ से मिलने वाली रकम NSE के पास नई पूंजी के रूप में नहीं जाएगी, बल्कि मौजूदा शेयरधारक अपनी हिस्सेदारी बेचेंगे।

ब्रिटेन में हवाई यातायात व्यवस्था ठप, 1,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

ब्रिटेन में मंगलवार को हवाई यातायात नियंत्रण व्यवस्था में आई तकनीकी खराबी ने विमान यात्रियों की मुश्किलें बढ़ा दीं। एनएटीएस के उड़ान प्रसंस्करण तंत्र में आई समस्या के कारण देश के कई बड़े हवाई अड्डों पर उड़ानों का संचालन प्रभावित हुआ। फ्लाइट ट्रेकिंग आंकड़ों के मुताबिक 1,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द हुईं, जबकि सैकड़ों उड़ानों में देरी हुई। इसका असर हीथ्रो, गैटविक, मैनचेस्टर और स्टैनस्टेड जैसे प्रमुख हवाई अड्डों पर पड़ा। हीथ्रो पर मंगलवार रात के लिए आगमन वाली उड़ानों को रोकना पड़ा, जबकि प्रस्थान वाली उड़ानों का संचालन बाद में शुरू किया गया। ब्रिटिश एयरवेज को 100 से ज्यादा उड़ानों को रद्द या दूसरे स्थान पर भेजना पड़ा। एनएटीएस ने बताया कि समस्या उसके उड़ान प्रसंस्करण तंत्र में थी। इंजीनियरों ने तकनीकी खराबी को ठीक कर दिया और बाद में कहा कि तंत्र सामान्य रूप से काम कर रहा है। एनएटीएस के मुताबिक इस दौरान विमान सुरक्षा से समझौता नहीं हुआ। हालांकि, खराबी दूर होने के बाद भी बड़ी संख्या में विमानों, यात्रियों और चालक दल के अपने निर्धारित स्थान पर नहीं होने के कारण असर तुरंत खत्म नहीं हुआ। स्थिति इतनी गंभीर रही कि बुधवार को भी असर जारी रहने की आशंका जताई गई। फ्लाइटरेडार24 के अनुसार बुधवार के लिए भी कम से कम 177 उड़ानें रद्द

गोल्डमैन सैक्स की बड़ी चेतावनी: 120 डॉलर के पार जा सकता है कच्चा तेल, फिर बढ़ेगी महंगाई की मार

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव ने वैश्विक तेल बाजार की चिंता फिर बढ़ा दी है। सबसे बड़ा खतरा हॉर्मुज जलडमरूमध्य में तेल टैंकरों की आवाजाही प्रभावित होने का है। इसी बीच गोल्डमैन सैक्स ने चेतावनी दी है कि अगर मध्य-पूर्व में जहाजों पर हमले और आपूर्ति में रुकावट बढ़ती है तो ब्रेंट कच्चे तेल की कीमत 120 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती है।

फिलहाल बाजार में इसका असर दिखाई दे रहा है। हालिया कारोबार में ब्रेंट करीब 98-99 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया है। हॉर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया के लिए बेहद महत्वपूर्ण ऊर्जा मार्ग है और वहां लंबे समय तक व्यवधान से कच्चे तेल की उपलब्धता पर सीधा दबाव पड़ सकता है।

हालांकि 120 डॉलर का स्तर गोल्डमैन सैक्स का मुख्य अनुमान नहीं, बल्कि जोखिम वाला परिदृश्य है। बैंक का आकलन है कि



यदि क्षेत्रीय तेल निर्यात सामान्य हो जाता है तो कीमतें लगभग 80 डॉलर तक नीचे आ सकती हैं। दूसरी ओर, लगातार हमले और आपूर्ति बाधित रहने पर कीमत तेजी से ऊपर जा सकती है।

भारत के लिए यह चिंता इसलिए भी बढ़ी है क्योंकि देश अपनी जरूरत का बड़ा हिस्सा कच्चे तेल के आयात से पूरा करता है। अंतरराष्ट्रीय कीमत बढ़ने पर पेट्रोल-डीजल,

परिवहन, माल ढुलाई और उत्पादन लागत पर दबाव बढ़ सकता है। इसका असर महंगाई पर भी पड़ने की आशंका रहती है।

यानी असली सवाल सिर्फ यह नहीं कि तेल 120 डॉलर पहुंचेगा या नहीं, बल्कि यह है कि मध्य-पूर्व का संकट कितने समय तक चलता है। लंबे समय तक आपूर्ति बाधित रही तो महंगे तेल की मार आम उपभोक्ता तक पहुंच सकती है।

6,203 करोड़ का कर्ज, वसूली 14,000 करोड़ से ज्यादा... अब विजय माल्या पूछ रहे- मेरा रिफंड कब?

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

भगोड़े कारोबारी विजय माल्या ने एक बार फिर बैंकों और प्रवर्तन निदेशालय की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। माल्या का कहना है कि उनके खिलाफ तय 6,203 करोड़ की देनदारी के मुकाबले बैंकों और सरकार ने उनकी संपत्तियों से 14,000 करोड़ से ज्यादा की वसूली कर ली है। अब उनका सवाल है कि यदि देनदारी से कहीं



अधिक रकम वसूल हो चुकी है, तो अतिरिक्त राशि

का हिसाब और उन्हें राहत कब मिलेगी। मामला अब फिर अदालत तक पहुंच चुका है। अगस्त 2026 में बॉम्बे हाईकोर्ट के सामने माल्या की ओर से कहा गया कि बैंकों के समूह ने करीब 15,000 करोड़ की वसूली कर ली है, जबकि मूल न्यायिक देनदारी करीब 6,203 करोड़ थी। अदालत ने इस दावे को फिलहाल स्वीकार नहीं किया, बल्कि भारतीय स्टेट बैंक और ईडी से स्थिति स्पष्ट करने को कहा है। मामले की अगली सुनवाई 9 सितंबर

2026 को निर्धारित है। दरअसल, 6,203 करोड़ का आंकड़ा ऋण वसूली न्यायाधिकरण द्वारा तय देनदारी से जुड़ा है, जिसमें करीब 1,200 करोड़ ब्याज भी शामिल था। दूसरी ओर, वित्त मंत्रालय ने संसद में बताया था कि माल्या से जुड़ी 14,131.60 करोड़ की संपत्तियां सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को वापस की गईं। यही अंतर अब पूरे विवाद का केंद्र है- वसूली कितनी हुई, किस मद में हुई और वास्तविक बकाया कितना है?

जहरीली शराब नहीं, जहरीला तंत्र लोगों की जान ले रहा है

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

सागर में जहरीली शराब से हुई मौतों ने एक बार फिर मध्य प्रदेश की शराब व्यवस्था का वह चेहरा सामने ला दिया है, जिसे सरकारी फाइलों में अक्सर दिखाई नहीं देता। बंडा क्षेत्र में मौतों और बड़ी संख्या में लोगों के बीमार पड़ने के बाद जांच का एक महत्वपूर्ण पहलू गांवों में सक्रिय 'डोरस्टेप डिलीवरी' नेटवर्क भी बना है। पुलिस के मुताबिक स्थानीय स्तर पर अतिरिक्त पैसे लेकर गांवों तक शराब पहुंचाने की व्यवस्था की जांच हो रही है। सवाल केवल यह नहीं है कि जहरीली शराब किसने बनाई।

असली सवाल यह है कि वह शराब गांव तक पहुंची कैसे? अगर किसी गांव में शराब घर तक पहुंच रही है, तो फिर आबकारी विभाग की निगरानी कहाँ है? पुलिस की सूचना व्यवस्था किस काम की है? वैध दुकान से निकलने वाला माल किस रास्ते और किन हाथों से उपभोक्ता तक पहुंच रहा है—इसकी निगरानी कौन

करता है? और सबसे गंभीर बात—जब सागर मामले में संदिग्ध शराब की खेप को लेकर जांच शुरू हुई, तब यह भी सामने आया कि जब्त शराब का स्टॉक एक लाइसेंसी ठेकेदार से खरीदा गया था और उसकी आपूर्ति के रास्ते का पता लगाने के निर्देश दिए गए। यानी जांच अब केवल 'नकली शराब बनाने वाले' तक सीमित नहीं रहनी चाहिए। उसे उस पूरी कड़ी तक पहुंचना होगा—निर्माता से सप्लायर, सप्लायर से ठेकेदार और ठेकेदार से गांव तक। सरकार ने अधिकारियों को निलंबित कर दिया, एफआईआर दर्ज हुई, गिरफ्तारियां हुईं। लेकिन कार्रवाई का असली पैमाना निलंबन नहीं, बल्कि यह होना चाहिए कि अगली जहरीली बोतल गांव तक पहुंचने से पहले पकड़ी जाए। क्योंकि सवाल एक सागर का नहीं है। सवाल यह है कि अगर शराब की 'डोरस्टेप डिलीवरी' व्यवस्था सचमुच गांवों में जड़ जमा चुकी है, तो क्या मध्य प्रदेश में शराब की दुकानें सिर्फ दुकानें रह गई हैं—या उनका एक अदृश्य विस्तार हर गांव के दरवाजे तक पहुंच चुका है? सरकार को शराब माफिया से ज्यादा उस तंत्र की तलाश करनी होगी, जिसने माफिया को रास्ता दिया।

नकली नोटों का बैंक कनेक्शन! 17.29 करोड़ के जाल में फरार मैनेजर गिरफ्तार



रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

सहारनपुर। पंजाब नेशनल बैंक की सहारनपुर स्थित करेंसी चेस्ट में मिले 17.29 करोड़ रुपये के जाली नोटों के मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने बड़ी कार्रवाई करते हुए फरार बैंक अधिकारी अमित कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। वह इस मामले में नामजद तीन बैंक कर्मचारियों में शामिल है। गिरफ्तारी के बाद अब जांच का सबसे अहम सवाल यही है कि आखिर इतनी बड़ी मात्रा में नकली भारतीय मुद्रा बैंक की करेंसी चेस्ट तक कैसे पहुंची। मामला 29 अगस्त को सामने आया था। सहारनपुर के सदर बाजार थाने में दर्ज प्रारंभिक प्राथमिकी में तीन बैंक कर्मचारियों की भूमिका सामने आने के बाद उन्हें निलंबित किया गया था। बाद में 3 सितंबर को राष्ट्रीय जांच एजेंसी ने मामला अपने हाथ में लेकर अलग से जांच शुरू की। एजेंसी अब नकली नोटों के स्रोत, बैंक के भीतर उनकी आवाजाही और पूरे षड्यंत्र में शामिल अन्य लोगों की भूमिका तलाश रही है। जांच में यह भी सामने आया है कि करेंसी चेस्ट में रखी रकम की दोबारा गिनती के लिए नौ मशीनों और करीब 30 अधिकारियों को लगाया गया था। शुरुआती जांच में आशंका जताई गई कि असली नोटों को निकालकर उनकी जगह जाली नोट रखे गए हो सकते हैं। यदि यह आशंका सही साबित होती है तो मामला केवल नकली नोट रखने का नहीं, बल्कि बैंकिंग व्यवस्था के भीतर सुनियोजित गड़बड़ी का भी हो सकता है। अमित कुमार की गिरफ्तारी से अब जांच को महत्वपूर्ण सुराग मिलने की उम्मीद है। फरार दो अन्य नामजद अधिकारियों की तलाश जारी है। असली सवाल यह है कि 17.29 करोड़ के जाली नोटों का स्रोत क्या था और बैंक की निगरानी व्यवस्था इतनी बड़ी गड़बड़ी को समय रहते क्यों नहीं पकड़ सकी? राष्ट्रीय जांच एजेंसी अब इसी कड़ी को जोड़ने में जुटी है।

3000 किमी दूर अटैच किए गए सीआरपीएफ कमांडेंट,

बोले-यह 'खुली गिरफ्तारी' जैसी कार्रवाई



रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के एक कमांडेंट को करीब 3,000 किलोमीटर दूर अटैच किए जाने का मामला विवादों में आ गया है। अधिकारी ने इस कार्रवाई को सामान्य प्रशासनिक तबादला मानने के बजाय इसे 'खुली गिरफ्तारी' जैसा बताया है। उन्होंने मामले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के उप महानिरीक्षक (सतर्कता) के खिलाफ राष्ट्रपति से शिकायत भी की है। रिपोर्ट के मुताबिक, कमांडेंट का आरोप है कि उन्हें ऐसी जगह भेजा गया

है, जहां उनकी आवाजाही और कामकाज पर गंभीर प्रतिबंध जैसा प्रभाव पड़ रहा है। अधिकारी ने अपनी शिकायत में कार्रवाई के पीछे की परिस्थितियों और सतर्कता शाखा की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यह कदम उनके खिलाफ दबाव बनाने की कार्रवाई के तौर पर देखा जा सकता है। मामला इसलिए भी गंभीर माना जा रहा है क्योंकि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों में अधिकारियों की तैनाती और स्थानांतरण प्रशासनिक प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन यदि किसी अधिकारी को दंडात्मक मंशा से दूर भेजा गया हो तो उसके औचित्य पर सवाल उठना स्वाभाविक है। अब नजर इस बात पर है कि राष्ट्रपति कार्यालय और संबंधित केंद्रीय प्राधिकरण शिकायत पर क्या कार्रवाई करते हैं। साथ ही यह भी महत्वपूर्ण होगा कि सीआरपीएफ इस अधिकारी द्वारा लगाए गए आरोपों पर क्या आधिकारिक स्पष्टीकरण देता है। पूरे विवाद का मूल प्रश्न यही है—क्या यह महज प्रशासनिक अटैचमेंट है या किसी अधिकारी पर दबाव बनाने की कार्रवाई? इसका जवाब शिकायत की जांच और सीआरपीएफ के आधिकारिक पक्ष से ही स्पष्ट होगा।

ब्रिक्स बड़ा हुआ, लेकिन क्या साझा सुर छोटा पड़ गया?

रणजीत टाइम्स

ranjeettimes.com

नई दिल्ली। ब्रिक्स का विस्तार अब उसकी सबसे बड़ी ताकत भी है और सबसे बड़ी चुनौती भी। भारत, चीन, रूस, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका से आगे बढ़कर समूह में अब कई नई उभरती अर्थव्यवस्थाएं शामिल हैं। भारत 12-13 सितंबर को नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। लेकिन सदस्यों की संख्या बढ़ने के साथ साझा राजनीतिक रुख बनाना आसान नहीं रह गया है। सबसे बड़ी समस्या यह है कि ब्रिक्स कोई सैन्य गठबंधन नहीं, बल्कि अलग-अलग हितों वाली



अर्थव्यवस्थाओं का मंच है। भारत चीन के साथ सीमा और व्यापार संबंधों को संभाल रहा है, रूस यूक्रेन युद्ध और पश्चिमी प्रतिबंधों के दबाव में है, जबकि पश्चिम एशिया के नए सदस्य आपसी

क्षेत्रीय तनावों से जूझ रहे हैं। हाल में ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच पश्चिम एशिया संघर्ष पर संयुक्त बयान की भाषा को लेकर मतभेद सामने आए। ब्रिक्स के वार्ताकारों को दिल्ली घोषणा पर सहमति बनाने के लिए इन मतभेदों को सुलझाना पड़ा।

डॉलर के विकल्प को लेकर भी एकराय नहीं है। रूस ने हाल ही में साफ कहा कि वह 'डॉलर से मुक्ति' को अपना लक्ष्य नहीं मानता और भुगतान के अलग-अलग तरीकों के लिए खुला है। इससे संकेत मिलता है कि ब्रिक्स में आर्थिक सहयोग की इच्छा तो है, लेकिन पश्चिमी वित्तीय व्यवस्था से दूरी को लेकर सभी देशों की सोच

एक जैसी नहीं है। भारत के सामने इसलिए सिर्फ घोषणा-पत्र तैयार कराने की चुनौती नहीं है। असली परीक्षा यह है कि वह चीन-रूस की रणनीतिक सोच, पश्चिम एशिया के टकराव और विकासशील देशों की आर्थिक प्राथमिकताओं के बीच न्यूनतम साझा एजेंडा तैयार कर पाए। अगर भारत व्यापार, डिजिटल भुगतान, विकास वित्त, ऊर्जा सुरक्षा और वैश्विक संस्थाओं में सुधार जैसे व्यावहारिक मुद्दों पर सहमति बना लेता है, तो विस्तारित ब्रिक्स की उपयोगिता साबित हो सकती है। वरना बड़ा समूह होने के बावजूद साझा आवाज कमजोर पड़ने का खतरा बना रहेगा।